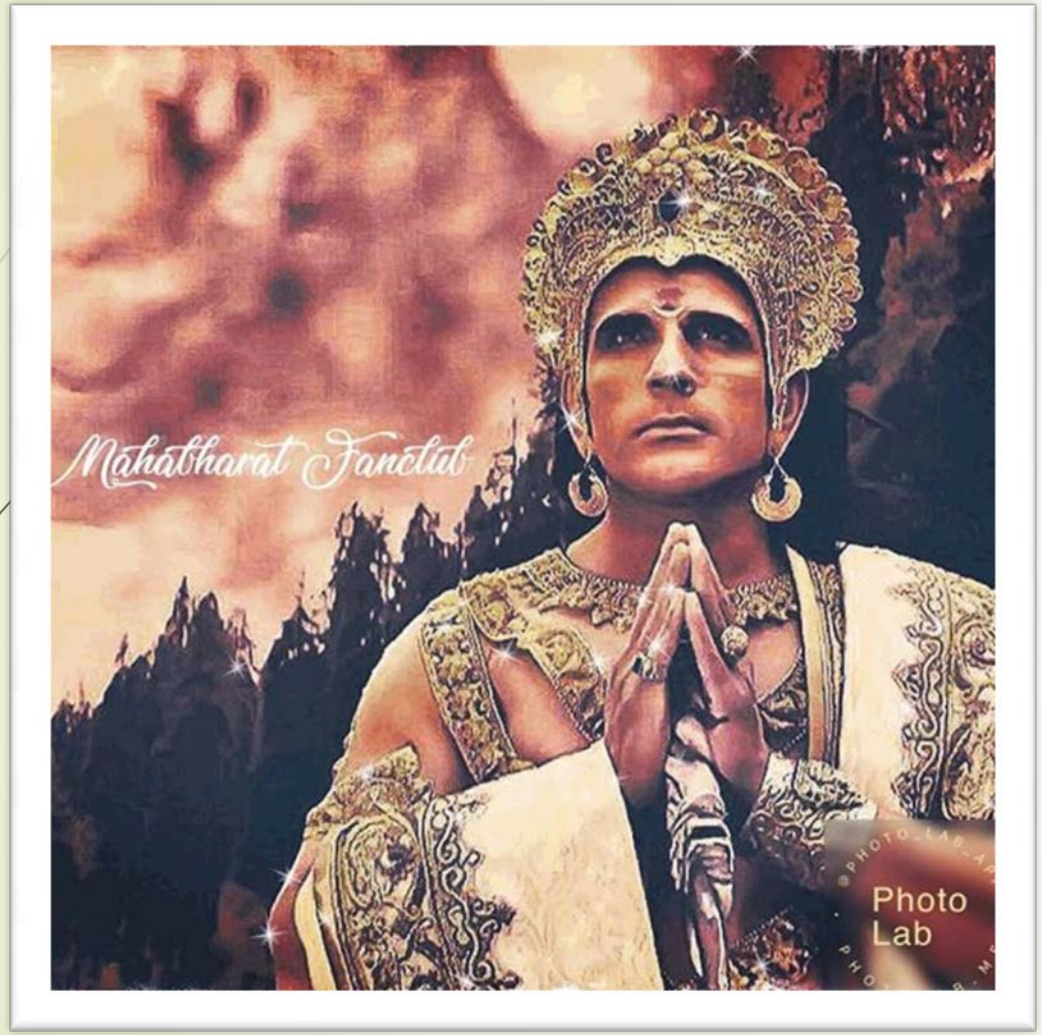

भीष्म प्रतिज्ञा

पाठ दो

(गीता शर्मा)

सार

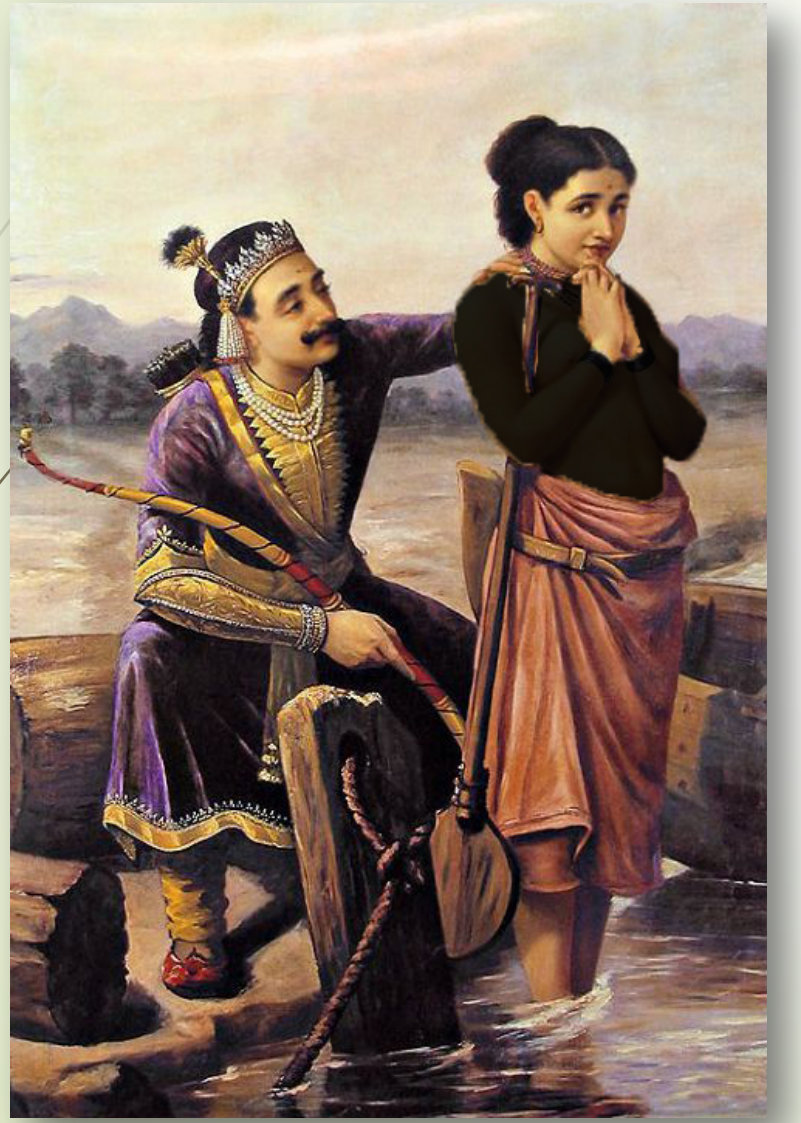

- राजा शांतनु देवव्रत को लेकर ख़ुशी ख़ुशी नगर लौट आये और देवव्रत राजकुमार का कार्य सँभालने लगे । चार वर्ष के बाद एक दिन राजा शांतनु यमुना के तट पर घूमने गए वहाँ उन्होंने एक सुन्दर कन्या को देखा जिसका नाम सत्यवती था। उसने राजा शांतनु का मन मोह लिया। राजा ने सत्यवती से प्रेम की याचना की। सत्यवती ने बताया कि उसके पिता मल्लाहो के सरदार हैं और राजा को विवाह करने के लिए उनकी अनुमति लेनी होगी।
- राजा शांतनु सत्यवती के पिता केवटराज के पास गए और सत्यवती से विवाह करने की इच्छा प्रकट की। केवटराज ने विवाह के बदले एक वचन माँगा। केवटराज ने कहा कि आपके बाद हस्तिनापुर का उत्तराधिकारी सत्यवती का पुत्र होना चाहिए।

सार

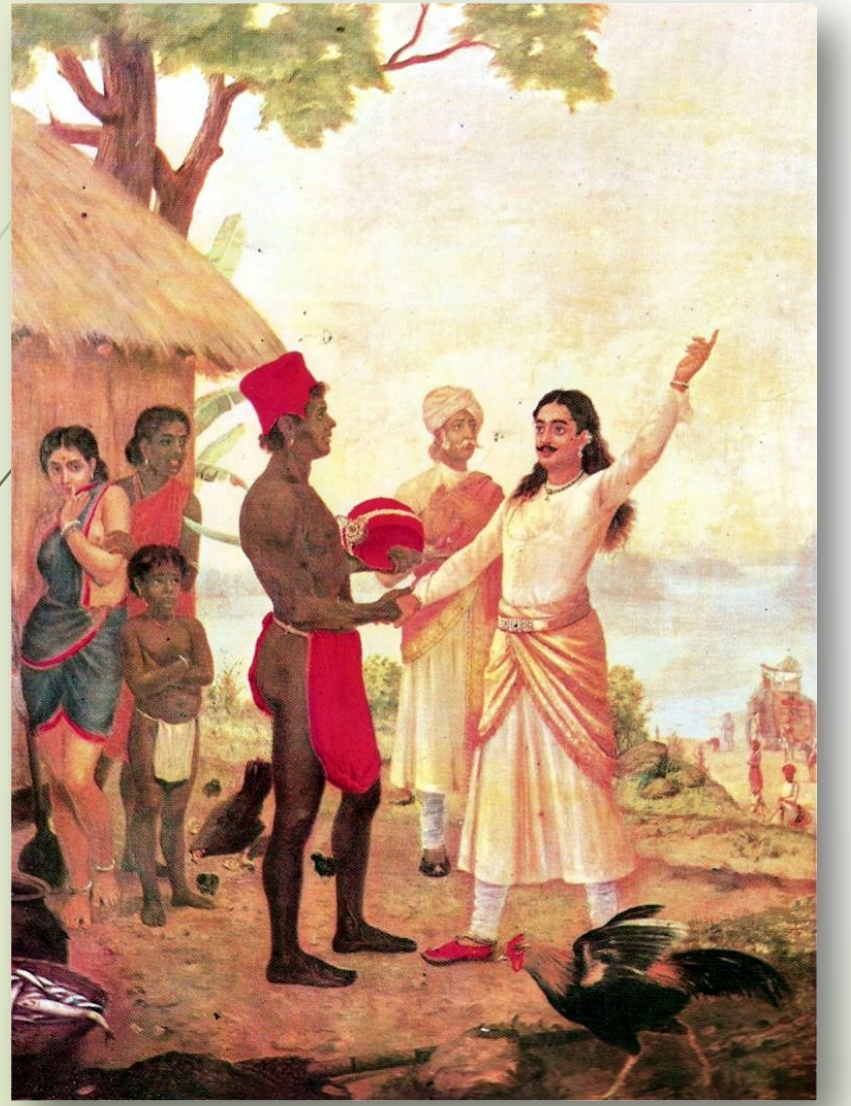

- केवटराज की यह शर्त राजा को अच्छी नहीं लगी और वे निराश होकर वहां से चले गए। राजा शांतनु चिंता युक्त जीवन बिताने लगे, देवव्रत को जब इस बात का पता चला तो वे सीधे केवटराज से मिलने चले गए और उन्होंने सत्यवती का विवाह राजा शांतनु से करवाने की बात कही। केवटराज ने अपनी शर्त दोहरायी। शर्त को सुनकर देवव्रत ने कहा कि वे सत्यवती के पुत्र को ही राजा बनाएँगे। केवटराज इस बात से भी संतुष्ट नहीं हुए और उन्होंने कहा कि अगर आपके पुत्र ऐसा ना माने और सत्यवती के पुत्र से राज्य छीन लें तो हमारे लिए अच्छा नहीं होगा।

- केवटराज की इसी बात पर देवव्रत ने प्रतिज्ञा ली कि वे आजीवन विवाह नहीं करेंगे, ब्रह्मचारी ही रहेंगे। इस कठोर प्रतिज्ञा के कारण ही देवव्रत का नाम भीष्म पड़ गया। केवटराज, राजा शांतनु से अपनी पुत्री सत्यवती के विवाह के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-1 राजा शांतनु क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर- राजा शांतनु देवव्रत को पुत्र के रूप में पाकर प्रसन्न थे।

प्रश्न-2 राजा शांतनु ने यमुना तट पर क्या देखा?

उत्तर- राजा शांतनु ने यमुना तट पर अप्सरा-सी सुंदर एक तरुणी को देखा जिसका नाम सत्यवती था।

प्रश्न-3 सत्यवती को देखकर राजा शांतनु के मन में क्या विचार आया?

उत्तर - सत्यवती को देखकर राजा शांतनु के मन में उन्हें अपनी पत्नी बनाने की इच्छा हुई।

प्रश्न-4 केवटराज की क्या सर्त थी?

उत्तर - केवटराज की शर्त थी कि राजा शांतनु के बाद हस्तिनापुर का राज सिंहासन सत्यवती के पुत्र को मिले।

प्रश्न / उत्तर

प्रश्न-5 राजा शांतनु क्यों चिंतित थे?

उत्तर - राजा शांतनु इसलिए चिंतित थे क्योंकि वह सत्यवती से विवाह करना चाहते थे पर सत्यवती के पिता केवटराज ने जो शर्त रखी वो अनुचित थी।

प्रश्न-6 देवव्रत को पिता शांतनु के चिंतित होने का कारण किस प्रकार पता चला?

उत्तर - देवव्रत को पिता शांतनु के चिंतित होने का कारण उनके सारथी से पूछताछ करने से पता चला।

प्रश्न-7 देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा?

उत्तर - देवव्रत का नाम भीष्म इसलिए पड़ा क्योंकि उन्होंने आजन्म ब्रह्मचारी रहने की कठोर प्रतिज्ञा की थी।

प्रश्न-8 सत्यवती और शांतनु के कितने पुत्र हुए?

उत्तर - सत्यवती और शांतनु के दो पुत्र हुए - चित्रांगद और विचित्रवीर्य।

धन्यवाद